संवत् 2083 : फाल्गुन मास

साधनात्मक खगोलीय घटनाएं

सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण

सूर्य ग्रहण : 17 फरवरी 2026 (दोपहर 3:26 से सांय 7:57)

चन्द्र ग्रहण : 03 मार्च 2026 (दोपहर 2:14 से सांय 7: 53)

ग्रहण एक अद्‌भुत खगोलीय घटना है और सृष्टि में जब-जब भी ग्रहण होता है, तब-तब सृष्टि में एक विशेष प्रकार की आध्यात्मिक एवं साधनात्मक ऊर्जा का सृजन होता है। इस विशुद्ध आध्यात्मिक और साधनात्मक ऊर्जा को ग्रहण करने के लिये योगी, तपस्वी, तांत्रिक, उच्चकोटि के साधक ग्रहण काल में विशेष अनुष्ठान, साधना, मंत्र-जप इत्यादि सम्पन्न करते है ताकि स्वयं को आध्यात्मिक और साधनात्मक स्तर पर और अधिक श्रेष्ठ एवं परिष्कृत बनाया जा सके।

साधना के क्षेत्र में सिद्धि के इच्छुक साधकों ग्रहण काल अमृत सिद्धि कल्प के समान है। ग्रहण काल के समय अर्जित किया गया पुण्य अक्षय होता है। भारतीय दर्शन में इसी कारण से इस समय का बहुत अधिक महत्व है। ग्रहण काल संकल्प और साधना करने का श्रेष्ठ काल है, ग्रहण काल में साधक साधना, शक्तिपात दीक्षा, अनुष्ठान, दान, तप इत्यादि का संकल्प लेकर भी ग्रहण की शक्ति अपने जीवन में धारण कर सकता है।

ग्रहण काल साधनात्मक कल्प साधक को जीवन में धन, पद, प्रतिष्ठा, यश, मान, ऐश्वर्य, कुण्डलिनी जागरण, पूर्णता, श्रेष्ठता, तेजस्विता और जीवन में वह सब जो हम चाहते हैं प्रदान करता है क्योंकि ग्रहण काल में सम्पन्न की गई साधना कभी निष्फल नहीं होती है। भगवान वेदव्यास जी ने कहा है कि - सामान्य दिन या किसी अन्य मुहूर्त पर किये गये जप, तप, ध्यान की अपेक्षा चन्द्र ग्रहण में किया गया जप, तप, ध्यान एक लाख गुना और सूर्य ग्रहण में दस लाख गुना अधिक फलदायी होता है।

सूर्य ग्रहण काल में उग्र महाविद्याएं, शत्रु बाधा, मृत्युबाधा, तंत्र बाधा, भय, मारण, मोहन, विद्वेषण इत्यादि से सम्बन्धित साधना-शक्तिपात दीक्षा ग्रहण करनी चाहिये।

साधनाएं-दीक्षाएं जिन्हें सूर्य ग्रहण पर सम्पन्न करें अथवा संकल्प लें।

महामृत्युंजय - साधना - दीक्षा - अनुष्ठान

महाकाली - साधना - दीक्षा

पापांकुशा - साधना - दीक्षा

छिन्नमस्ता - साधना - दीक्षा

बगलामुखी - साधना - दीक्षा

कृत्या - साधना - दीक्षा

चन्द्र ग्रहण काल में सौम्य महाविद्याएं, अप्सरा, योगिनी, सम्मोहन-वशीकरण, मनोकामना पूर्ति, प्रेम-सौन्दर्य, कायाकल्प, रोग मुक्ति, इत्यादि से सम्बन्धित साधना-दीक्षा ग्रहण करनी चाहिये।

साधनाएं-दीक्षाएं जिन्हें चन्द्र ग्रहण पर सम्पन्न करें अथवा संकल्प लें।

ललिताम्बा - साधना - दीक्षा

सरस्वती ज्ञान - साधना - दीक्षा

रसेश्वरी मांतगी - साधना - दीक्षा

अप्सरा - साधना - दीक्षा

सौन्दर्य सिद्धि कायाकल्प - साधना - दीक्षा

लक्ष्य सिद्धि कमला - साधना - दीक्षा